चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18·9·25	4	1-3

• एचएयू में 7 दिवसीय कार्यशाला में वीसी प्रो. काम्बोज बोले

कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेशनल लैब में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला हुई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला में पंजाब कृषि विवि, जीजेयू हिसार, केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विवि, एनएबीआई, मोहाली तथा एचएयू के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के समापन पर एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत् कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा। कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटेक्नोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में उपरोक्त कॉलेज के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डॉ. केडी शर्मा ने कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूक करना अति आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18·9·25	4	3–6

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टेक्नोलाजी सहायक

जागरण संवाददाता • हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेशनल लैब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज प्रतिभागियों के साथ • जागरण

जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय जीजेयू हिसार, केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एनएबीआई मोहाली तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत् कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआइ) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटेक्नोलाजी, नैनो टेक्नोलाजी तथा माइक्रोबायोलाजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डा. केडी शर्मा ने कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूक करना अति आवश्यक है। इस मौके पर कोर्स कोर्डिनेटर डा. गुलाब सिंह, डा. नवीन कौशिक, डा. शिखा जैन रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.9.25	4	4-5

कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टैक्नोलोजी की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ

कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटेक्नोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इन वैज्ञानिक प्रगतियों को व्यवहारिक स्तर पर लागू किया जाये तो कृषि को न केवल उत्पादक बल्कि टिकाऊ, लाभकारी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मित्तल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटेक्नोलोजी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	18.9.25	11	2-5

हकृवि में अनुसंधान और विकास पर कार्यशाला

कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ : वीसी

हिसार। प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेशनल लैब में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू हिसार, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहाली तथा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा।

कार्यक्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कार्यशाला में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डॉ. केडी शर्मा ने सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.9.25	5	1-3

कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टैक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू हिसार, केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहाली तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कार्यशाला में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डॉ. के.डी. शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूक करना अति आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मित्तल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटेक्रोलोजी महाविद्यालय के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। डॉ शिखा जैन ने कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर रिसोर्स पर्सन द्वारा दी गई तकनीकी जानकारी के बारे मे बताया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के फीडबैक पर भी प्रकाश डाला। डॉ दिव्या मित्तल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ कनिका रानी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	17.9.2025	--	--

अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

नभ-छोर न्यूज ⏭ 17 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू हिसार, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहाली तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटैक्नोलॉजी, नैनो टैक्नोलॉजी तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इन वैज्ञानिक प्रगतियों को व्यवहारिक स्तर पर लागू किया जाये तो कृषि को न केवल उत्पादक बल्कि टिकाऊ, लाभकारी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। यही प्रयास किसानों की आय बढ़ाने और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण के लिए हकृवि एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मित्तल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटैक्नोलॉजी महाविद्यालय के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	17.9.2025	--	--

कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टैक्नोलोजी की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज

हकृवि में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैब में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू हिसार, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहाली तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है।

आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत् कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटेक्नोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इन वैज्ञानिक प्रगतियों को व्यावहारिक स्तर पर लागू किया जाये तो कृषि को न केवल उत्पादक बल्कि टिकाऊ, लाभकारी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। यही प्रयास किसानों की आय बढ़ाने और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण के लिए हकृवि एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

कार्यशाला में महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डॉ. के.डी. शर्मा ने कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूक करना अति आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मित्तल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटेक्नोलोजी महाविद्यालय के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। कुलसचिव एवं भू दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधरोपण किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	18.9.25	12	3-6

हकृवि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस किया पौधरोपण

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण बनाए रखने को पौधरोपण करना जरूरीः प्रो. काम्बोज

भू-दृश्य संरचना इकाई का सिल्वर जुबली चौक पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए अमलतास का पौधा लगाया।

वीसी प्रो. काम्बोज ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है।

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

हरित क्षेत्र बढ़ाएं

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधरोपण जरूरी है। कुलपति ने बताया कि वृक्ष हरित क्षेत्र का विस्तार करने, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने तथा भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित, प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कुलसचिव एवं भू दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.9.25	4	7-8

हकृवि में पौधारोपण अभियान आयोजित

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.9.25	4	3

इधर... एचएयू में पौधरोपण किया

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलसचिव एवं भू दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.9.25	4	4-5

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई की तरफ से सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि पेड़ कार्बन डाईआक्साइड को सोखकर आक्सीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियंत्रित करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट-पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। वृक्षों से भोजन, लकड़ी, छाया और औषधियां प्राप्त होती हैं।

कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डा. पवन कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधरोपण किया जा रहा है।

हकृवि में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.9.25	12	6.8

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिन पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नज़दीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। कुलसचिव एवं भू दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी माननीय प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधरोपण किया जा रहा है जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

हकृवि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जग मार्ग न्यूज	17.9.2025	--	--

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधरोपण जरूरीः प्रो. बीआर काम्बोज

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियंत्रित करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट-पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। वृक्षों से भोजन, लकड़ी, छाया और औषधियां प्राप्त होती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	17.9.2025	--	--

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी: प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ⏭ 17 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियंत्रित करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट- पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। कुलपति ने बताया कि वृक्ष हरित क्षेत्र का विस्तार करने, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने तथा भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित, प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कुलसचिव एवं भू दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधरोपण किया गया।